

पाठ:- सिंधु घाटी की सभ्यता

पूर्व ज्ञान/ विषय वस्तु/ पाठ्येतर विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य	
	सामान्य	विशिष्ट
पूर्व ज्ञान: पौराणिक ग्रंथों का ज्ञान पूर्वज्ञान संबन्धित प्रश्न-परिशिष्ट संख्या-3अ/1 विषय वस्तु- * सिंधु घाटी की सभ्यता उपविषय वस्तु :- अ) साहित्यिक परिचय । आ) ऐतिहासिक ज्ञान । इ) प्रश्नोत्तरी निर्माण पाठ्येतर विषय वस्तु * अनुच्छेद लेखन * प्रश्नोत्तरी	विद्यार्थी अ) लेखक के साहित्यिक योगदान से परिचित होंगे । आ) इतिहास में सभ्य मानव जाति के विकास की परम्परा से परिचित होंगे । इ) प्रश्नोत्तरी निर्माण कर सकेंगे ।	विद्यार्थी अ) “जवाहरलाल नेहरू”के साहित्यिक योगदान को जानकर उनकी कालजयी रचनाओं का परिचय लिख सकेंगे । आ) सिंधु घाटी, आर्यों का आने से भारत का प्रारंभिक विकास कैसे हुआ, उसका संक्षिप्त वर्णन अनुच्छेद के रूप में लिख सकेंगे । इ)1. प्रश्नोत्तरी निर्माण के लिए जिन मानदंडों का ध्यान रखना चाहिए उनसे अवगत होकर पाठ के आधार पर प्रश्नोत्तरी निर्माण करेंगे । इ)2.प्रश्नोत्तरी निर्माण गतिविधि के प्रति अपने अनुभव / विचार लिख सकेंगे ।

गृहकार्य:- पाठ से संबंधित प्रश्न ।

क्रियाविधि:- पाठ पर आधारित प्रश्नोत्तरी निर्माण से संबंधित ।

अध्यापिका की गतिविधि	विद्यार्थियों की गतिविधि	पाठ पढ़ने के बाद अध्यापिका का मंतव्य तथा निराकरण
पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछेंगी:- परिशिष्ट संख्या :-3आ/1 काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्ट संख्या :-3आ/2 अध्यापिका के निर्देशन में उचित बलाघात के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए पाठ का वाचन करेंगे । अध्यापिका के निर्देशन में पाठ के भाव को आत्मसात कर पाठ के अंत में दिए प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करेंगे । क्रियाकलाप हेतु क्रियाविधि :- परिशिष्ट संख्या :-3आ /3 अभ्यास हेतु कार्यपत्र :- परिशिष्ट संख्या :-3आ /4	पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देंगे :- परिशिष्ट संख्या :-3आ/1 काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि में भाग लेंगे । परिशिष्ट संख्या :-3आ/2 उचित बलाघात के साथ पाठ के शुद्ध उच्चारण में समर्थ होंगे । पाठ के अंत में दिए प्रश्नों के उत्तर देंगे । अपनी गतिविधियों में भाग लेंगे। परिशिष्ट संख्या :-3आ/3 अभ्यास हेतु दिए गए कार्यपत्र को पूर्ण करेंगे । परिशिष्ट संख्या :-3आ/4	* पाठ पढ़ने के बाद लिखा जाएगा ।

सहायक सामग्री :- पाठ्य-पुस्तक ,स्मार्ट बोर्ड एवं संलग्न प्रपत्र १ कार्यपत्र ,२ क्रियाकलाप का विवरण विधि:- १. पठन-पाठनविधि,२. उदाहरण विधि,३. काठिन्य निवारण विधि, ४. व्याख्या विधि ५.व्यास विधि
अन्तःविषय संबंध :- ऐतिहासिक तथा पौराणिक ग्रंथों का ज्ञान, कर्तव्य बोध, सामाजिक ज्ञान ।
विद्यालय परिसर:- विद्यालय की प्रार्थना सभा में भगवद्गीता के चयनित रोचक प्रसंग को व्याख्यायित कर सकेंगे ।

विभागाध्यक्ष

समन्वयक

उप-प्रधानाचार्य

प्रधानाचार्य

1.पूर्व ज्ञान से संबन्धित प्रश्न -परिशिष्ट संख्या -3अ/1

संभावित उत्तर

प्रश्न.1- कुछ पौराणिक ग्रंथों के नाम बताएं ।

वेद , उपनिषद, महाभारत, भगवद्गीता ।

प्रश्न.2- भारत में नगर सभ्यता को विकसित करने का श्रेय किसे दिया जाता है ?

सिंधु घाटी के लोगों को/ आर्यों को

प्रश्न.3- आर्यों में और आज के भारतीयों में समानता बताइए ।

नहीं पता

कथन:- आइये 'सिंधु घाटी की सभ्यता' पाठ को पढ़ कर जानते हैं कि लेखक आज के भारत में किस प्रकार अतीत के भारत की झलक देखता है ।

2.कठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्ट संख्या -3अ/2

* कक्षा को चार समूहों में विभाजित किया जाएगा।

* प्रत्येक समूह एक A 4 शीट पर निर्धारित अंश से कठिन शब्दों को लिखेगा ।

* समूह आपस में अदलाबदली कर अर्थ लिखने का प्रयास करेंगे।

* अध्यापिका उत्तर की पुष्टि कर विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिका पर अर्थ लिखने का निर्देश देगी।

(यथासंभव इस गतिविधि में परिवर्तन लाये जाएंगे यथा कभी विद्यार्थी चिट पर भी कठिन शब्दार्थ लिख सकते हैं या कभी अध्यापिका स्वयं चिट पर कठिन शब्द लिख कर अर्थ लिखने को कह सकती हैं ।)

3.क्रियाकलाप हेतु क्रिया विधि:- परिशिष्ट संख्या -3अ/3

- अध्यापिका कक्षा को सोलह समूहों में बाँटेगी जिससे हर समूह में दो या तीन विद्यार्थी होंगे ।
- अध्यापिका द्वारा पाठ को सोलह अंशों में बाँटा जाएगा ।
- पाठ का एक-एक अंश एक-एक समूह को दिया जाएगा और वे उन्हें निर्धारित समय में ही कम से कम दस प्रश्नों का निर्माण करने तथा उत्तर लिखने के लिए कहेंगी ।
- इसके बाद प्रत्येक समूह से एक-एक प्रतिनिधि को बुलाकर प्रश्नोत्तरी से प्रश्न पूछने को कहेंगी ।
- अध्यापिका प्रत्येक समूह को उत्तर देने का अवसर देंगी और उत्तर सही होने पर उनको दो अंक देंगी और यदि उत्तर गलत होने पर अन्य समूह उत्तर देगा तो उसे एक अंक मिलेगा।
- उत्तर देते समय प्रत्येक समूह अनुशासन बनाए रखे इसका ध्यान प्रत्येक प्रतिनिधि रखेगा ।
- अंत में विजेता समूह की संख्या घोषित करेंगी ।
- विद्यार्थी लिखित प्रश्नोत्तरी को मूल्यांकन हेतु अध्यापिका को देंगे ।

मूल्यांकन के मानदण्ड :-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

4.अभ्यास हेतु कार्यपत्र दिया जाएगा :- परिशिष्ट संख्या -3अ/4

पाठ : सिंधु घाटी की सभ्यता

विद्यार्थी का नाम :

गतिविधि : प्रश्नों का खेल

अनुक्रमांक :

1 प्रश्न बनाने से पूर्व ध्यान रखने योग्य बातें :

2 स्वरचित प्रश्न की सटीकता के साक्ष्य लिखिए -

